

23/12/20

पञ्चपत्नी जेव्हा ही कवीपुत्राची कविता वाचल्यान सिल्ल्यानी गी
जावज्या कवीपुत्राची प वाचि मनुष्यांतले ही मज्जा



Rea

कापली उनी त्तर पर मसुदा हाफरी के त्वारिण
सी जाती है कापली काड कापली व तत्र प्रीण
डाकिल सफल हीन गवर्नर के उम है

उपखण्ड अधिकारी
अकलेरा (झालावाड़)